दूरस्थ शिक्षा

मॉड्यूल-9

विनाश एवं महामारी प्रबंधन

(Disaster and Epidemic Management)

(हिन्दी रुपान्तर : केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
न्यू महरोली रोड, मुनीरका, नई दिल्ली-110067

आरोग्यम् सुखसम्पदा

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण प्रबंधन में
दूरस्थ शिक्षा

मॉड्यूल-9

विनाश एवं महामारी प्रबंधन

(Disaster and Epidemic Management)

(हिन्दी रुपान्तर : केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, राजभाषा विभाग)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान
न्यू महरोली रोड, मुनीरका, नई दिल्ली-110067

आरोग्यम् सुखसम्पदा

प्रस्तावना

मुझे इस मॉड्यूल को, जो अधिक संगत, व्यवहारिक एवं प्रयोक्ताओं के अनुकूल है तथा जो स्वास्थ्य प्रबन्धन में व्यावहारिक ज्ञान की दृष्टि से स्वास्थ्य व्यवसायियों के लिए सहायक है, प्रस्तुत करने में प्रसन्नता हो रही है। स्वास्थ्य कार्मिकों के लिए प्रबन्धन शिक्षा की आवश्यकता हमेशा महसूस की जाती रही है और इसलिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान को 1977 में इसके प्रारम्भ से ही स्वास्थ्य कार्मिकों के लिए ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों को आयोजित करने में सम्मिलित किया गया था। तथापि, प्रशिक्षित किए जाने वाले कार्मिकों की संख्या बहुत अधिक थी और उनको कई सप्ताह के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान ले जाना सम्भव नहीं था। इसे ध्यान में रखते हुए, एन.आई.एच.एफ.यू.ने देश के प्रमुख प्रबन्ध संस्थानों के साथ मिलकर एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्र ाबन्ध संकाय का गठन किया और इस विशिष्ट निकाय ने डाक्टरों के लिए स्वास्थ्य एवं परि वार कल्याण प्रबन्धन में दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम की संकल्पना तैयार थी। इसके लिए वित्तीय सहायता विश्व स्वास्थ्य संगठन से मिली तथा इसका प्रथम बैच 1991 में आरम्भ हुआ।

यहां इन मॉड्यूलों के प्रस्तुत करने में किए गए बृहद प्रयासो का उल्लेख करना संगत होगा। शिक्षण सामग्री तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण तथा विशेषज्ञ ग्रुपों की कई समीक्षा बैठकें तथा कार्यशालाएं विभिन्न स्तरों पर आयोजित की गई। शिक्षण सामग्री को आ वश्यकता पर आधारित तथा व्यवहारिक बनाने के एक प्रयास के रुप में, इसका जिला स्- वास्थ्य प्रबन्धकों के एक ग्रुप पर पूर्व परीक्षण किया गया तथा इसमें उचित भाषा का समा वेशन किया गया ताकि यह शिक्षण सामग्री अधिक अच्छी तरह पाठ्यक्रम में भाग लेने वाले व्यक्तियों को समझ आ सके। तब से इस पाठ्यक्रम के ग्यारह वर्ष पूरे हो चुके हैं और हमें इन मॉड्यूलों की उपयोगिता के बारे में भाग लेने वालो से महत्वपूर्ण फीडबैक प्राप्त हुआ है। इन माड्यूलों को वास्तविक जीवन की परिस्थितियों के अनूरुप अधिक व्यवहारिक बनाने के उनके सुझावों ने हमें इन माड्यूलों को समय-समय पर संशोधित करने के लिए प्रेरित किया है ताकि ये अधिक उपयोगी हो सकें।

प्रारम्भ में इन मॉड्यलों को विकसित करने में लगे मुख्य ग्रुप में एन.आई.एच.एफ डब्ल्यू, नई दिल्ली के प्रो0 जे.पी.गुप्ता व श्री डी.एच.नाथ, प्रो0 ए.वी.शणमुगम,

आई.आई.एम. बंगलौर, प्रो.मधु एस.मिश्रा, आई.आई.एम. कलकत्ता, प्रो.जे.के.सातिया, आई.आई.एम.अहमदाबाद, प्रो.एस.चक्रवर्ती, आई.आई.एम. लखनऊ तथा प्रो0 वी.के.अरोड़ा, राजस्थान लोक प्रशासनिक संस्थान, जयपुर शामिल थे।

इस मुख्य ग्रुप को राष्ट्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान के प्रो.टी.आर. आनन्द तथा डा. जे.के.दास का समर्थन प्राप्त था ।

वर्ष 1995 में माड्यूलों को संशोधित करने के लिए पहली बार गठित मुख्य ग्रुप में प्रो. मुध एस.मिश्रा, आई.आई.एम. कलकत्ता, प्रो.एस. चक्रवर्ती, आई.आई.एम. लखनऊ, प्रो. ए.वी.शणमुगम, एस.डी.एम प्रबन्धन विकास संस्थान, मैसूर, प्रो. वी.के.अरोड़ा,जयपुर और एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू का एक दल शामिल था जिसमें प्रो. एच.हेलेन,निदेशक,प्रो.आई मुरली,डीन, प्रो. जे.आर.भाटिया, परामर्शदाता तथा डा.संजय गुप्ता, संयोजक सम्मिलित थे।

सबसे बाद में इसमें संशोधन वर्ष 2002 में किया गया है। इसके लिए गठित मुख्य ग्रुप में एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू के निम्नलिखित संकाय सदस्य शामिल थे। डा. एम.सी. कपिलाश्रमी, निदेशक, प्रो.एन.के.सेठी, डीन, प्रो.(श्रीमती) एम.भट्टाचार्य, विभागाध्यक्ष, सी.एच.ए. विभाग, प्रो. ए.के.सूद, विभागाध्यक्ष, शिक्षा एवं प्रशिक्षण विभाग, डा. जे.के.दास, रीडर एवं कार्यवाहक विभागाध्यक्ष, एम.सी.एच.ए. विभाग तथा संजय गुप्ता , संयोजक।

यदि यह मॉड्यूल पाठकों को बेहतर जानकारी प्रदान करने एवं संकल्पनाओं को समझने में सहायक होता है तथा उनके संगठनों के कारगर प्रबन्धन के लिए उनमें विश्वास पैदा करता है, तो मुख्य ग्रुप अत्यधिक पुरस्कृत महसूस करेगा।

(एम.सी.कपिलाश्रमी)

सितम्बर, 2002,
एन.आई.एच.एफ.डब्ल्यू,
नई दिल्ली

विषय सूची

क्रम संख्या	विवरण	पृष्ठ संख्या
मॉड्यूल-9	**महामारी एवं विनास प्रबन्धन**	1
	प्रस्तावना	1
	उद्देश्य	2
	यूनिट	2
यूनिट 9.1	**महामारी,इसका स्वरुप तथा पूर्वानुमान की विधियां**	3
9.1.1	उदेश्य	3
9.1.2	मुख्य शब्दावली तथा संकल्पनाएं	3
9.1.3	प्रस्तावना	3
9.1.4	महामारियां	4
9.1.5	महामारियों का स्वरुप	6
9.1.6	महामारी तथा विनाश के बीच पारस्परिक संबंध	10
9.1.7	महामारियों का पूर्वानुमान लगाना	12
9.1.8	यूनिट संबंधी पुनरीक्षा प्रश्न	25
9.1.9	परीक्षण मदें	27
9.1.10	प्रस्तावित पुस्तकें	30
यूनिट 9.2	**महामारियों का प्रबन्धन, निवारण एवं नियंत्रण**	31
9.2.1	उदेश्य	31
9.2.2	मुख्य शब्दावली एवं संकल्पनाएं	31
9.2.3	प्रस्तावना	31
9.2.4	किसी महामारी का व्यष्टि(केस) अध्ययन	31
9.2.5	जिला स्तर पर महामारी को नियंत्रित करना	34
9.2.6	क्षेत्रीय संचालन की व्यवस्था	37
9.2.7	आंकड़ा विश्लेषण	46
9.2.8	किसी महामारी का नियंत्रण	50
9.2.9	जिले में महामारी की स्थिति से निपटने के लिए योजना बनाना	55
9.2.10	यूनिट पुनरीक्षा संबंधी प्रश्न	65
9.2.11	परीक्षण मदें	65

9.2.12	प्रस्तावित पुस्तकें	67

यूनिट 9.3	**विनाश प्रबन्धन**	69
9.3.1	उद्देश्य	69
9.3.2	मुख्य शब्दावली एवं संकल्पनाएं	69
9.3.3	प्रस्तावना	69
9.3.4	विनाश की परिभाषा	71
9.3.5	सभी किस्म के विनाश के लिए सामान्य स्वास्थ्य समस्याएं	74
9.3.6	विनाश के दौरान स्वास्थ्य देख-रेख व्यवस्था	79
9.3.7	विनाश प्रबन्धन के लिए योजना तैयार करना	83
9.3.8	अन्य स्वास्थ्य एजेन्सियों/संस्थानों के साथ समन्वय	97
9.3.9	आपदा के दौरान जन स्वास्थ्य राहत की योजना तैयार करना	97
9.3.10	यूनिट पुनरीक्षा संबंधी प्रश्न	99
9.3.11	परीक्षण मदें	99
9.3.12	प्रस्तावित पुस्तकें	101
	परिशिष्ट - क	102
	परिशिष्ट - ख	106
	परिशिष्ट - ग	107
	परिशिष्ट - घ	108
	जांच मदों की कुंजी	109